**<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>**

# इरेडा के सीएमडी ने नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अक्षय ऊर्जा की भूमिका पर जोर दिया

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर 2024

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज भारत के नेट-जीरो अनुपालन वाले बिजली क्षेत्र के सृजन की दिशा में अक्षय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जोर दिया। 23वें इंडिया पावर फोरम 2024 में बोलते हुए, श्री दास ने ऋणदाताओं से और अधिक ग्राहक-केंद्रित और सेक्टर-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया, जिसमें अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के अनुरूप समय पर वित्तीय समाधान और अभिनव पेशकश की आवश्यकता के बारे में जोर दिया ।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह रणनीतिक बदलाव अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के विकास में तेजी लाने, भारत को वर्ष 2047 तक "विकसित भारत" के अपने विजन की ओर ले जाने और वर्ष 2070 तक अपने नेट -जीरो का लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। श्री दास ने ग्रीन हाइड्रोजन, ऑफशोर विंड और ई-मोबिलिटी जैसी उभरती हुई नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि ये इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी केंद्रीय भूमिका निभाएंगी।

श्री दास ने बताया कि भारत को अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वर्ष 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग ₹32 लाख करोड़ के अनुमानित निवेश की आवश्यकता होगी। यह फेज तत्काल जरूरतों को पूरी करने के लिए अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। वर्ष 2031 से वर्ष 2047 तक, ध्यान पूरी तरह से एक डीकार्बोनाइज्ड अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे को विकसित करने की ओर बदलाव किया जाएगा, जिससे वर्ष 2047 तक "विकसित भारत" (विकसित भारत) के लिए एक मजबूत और सतत मार्ग तैयार होगा। यह रोडमैप वर्ष 2070 तक नेट -जीरो उत्सर्जन के लिए एक लचीला और सतत बदलाव सुनिश्चित करेगा।

श्री दास ने कहा कि , "डीकार्बोनाइजेशन न केवल जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक है, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों को सुरक्षित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।" "स्वच्छ ऊर्जा को अपनाकर, भारत के पास नए आर्थिक रास्ते खोलने और दीर्घावधि के लिए अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सशक्त करने का अवसर है।"